

प्रेषक,

टीकम सिंह पवार,  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग उत्तरांचल,  
देहरादून ।

सिंचाई विभाग,

देहरादून, दिनांक, 19 जनवरी, 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष-2003-04 हेतु आयोजनेत्तर मद में धनावंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त उत्तरांचल शासन के पत्र सं0-2004/वि0अनु0-1/2003 दिनांक 30.06.2003 के सन्दर्भ एवं शासनादेश सं0 01/नौ-1-सिं0 (बजट)/2003 दिनांक 22.04.2003, शासनादेश संख्या-01-नौ-1-सिं0/बजट/03 दिनांक 29-07-2003 एवं शासनादेश सं0 5848/नौ-1-सिं0 (01 बजट)/2003 दिनांक 18.11.2003 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्नक-1 में वर्णित लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत सिंचाई विभाग की योजनाओं के लिए आयोजनेत्तर मद में रुपये 826.47 लाख (रुपये आठ करोड़ छबीस लाख सैतालीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय एवं केवल उन्ही योजनाओं के अन्तर्गत किया जायें जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है, तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है धनराशि के अनयत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी रहेंगे। खण्डवार/जनपदवार/कार्यवार फांट की सूचना शासन को भी उपलब्ध कराई जाय।
- 2- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायें। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

✓

क्रमशः.....2

- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया, स्टोर पर्वेज रूल्स वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1, वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम-1, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1। लेखा नियम-1, आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह भी उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 4- जहां आवश्यक हो, कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाये, तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 5- इस धनराशि का आहरण दो किस्तों में किया जायेगा। द्वितीय किस्त तब ही अवमुक्त की जायेगी जब प्रथम किस्त के द्वारा स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत तक उपयोग कर लिया गया हो। उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के 80 प्रतिशत तक की धनराशि के उपयोग के उपरान्त तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के उपरान्त ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 6- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 7- कार्यों की गुणवत्ता एवं समय बद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- स्वीकृत धनराशि से कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को 31.03.2004 तक उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्नकों में उल्लिखित उपशीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

कमश:-3-

उक्त आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-2486/वि0 अनु0-3/2003 दिनांक 17 जनवरी, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न:-यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)  
उप सचिव।

संख्या-15/नौ-1-सिं0 (01 बजट/03)04तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-3), उत्तरांचल शासन।
- 3- समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 4- समस्त जिलाधिकारी उत्तरांचल।
- 5- मा0 मंत्री सिंचाई मंत्री, उत्तरांचल के निजी सचिव, को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 6- नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 7- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल हेतु।

संलग्नक:-यथोक्त।

(टीकम सिंह पंवार)  
उप सचिव।



(धनराशि लाख रू० में)

क्र० सं०	लेखा शीर्षक	प्रस्तावित आवंटन
1	2701-मुख्य तथा मध्यम सिंचाई	
	01-मुख्य सिंचाई वाणिज्यक	
	306-तुमरिया योजना	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	77.25
	04-विशेष मरम्मत	
	29-अनुरक्षण	25.88
	योग-	103.13
	320-दून नहरें एवं तरायी भावर की नहरें	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	75.75
	योग-	75.75
	324-हरिपुरा / बौर बाँध व नहरें	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	63.38
	योग-	63.38
	341-अन्य सिंचाई योजनाएं	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	67.50
	05-विशेष मरम्मत	
	29-अनुरक्षण	20.50
	योग-	88.00
	80-सामान्य	
	052-मशीनरी तथा उपस्कर	
	03-नवीन सम्पूर्ति	
	26-मशीन एवं सज्जा/उपकरण एवं सयंत्र	0.41
	04-मरम्मत	
	26-मशीन एवं सज्जा/उपकरण एवं सयंत्र	0.25
	योग-	0.66
	800-अन्य व्यय	
	05-प्रमुख अभियन्ता की रक्षित धनराशि	
	29-अनुरक्षण	14.55
	07-मोटर गाड़ियों, पेट्रोल आदि,	
	15- गाड़ियों, का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि, की खरीद,	
	योग-	14.55

क्र० सं०	लेखा शीर्षक	प्रस्तावित आवंटन
	2702-लघु सिंचाई	
	01-सतही जल	
	101-जल टंकी	
	03-तालाब	
	01-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	325.00
	योग-	325.00
	102-लिफ्ट सिंचाई योजनाएं	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	29-अनुरक्षण	36.00
	योग-	36.00
	2711-बाढ नियन्त्रण तथा जल निकास	
	01-बाढ नियन्त्रण	
	103-सिविल निर्माण कार्य	
	03-सिविल निर्माण कार्य	
	29-अनुरक्षण	120.00
	योग-	120.00
	योग राजस्व लेखा	826.47

(रूपये आठ करोड़ छबीस लाख सैतालीस हजार मात्र)



(टीकम सिंह पंवार)  
उप सचिव।